**Fourteenth Loksabha**

**Session : 4**
**Date : 16-03-2005**

**Participants : Pradhan Shri Dharmendra**

>

Title: Reported move by Mahanadi Coal Company Limited to float global tenders to outsource procurement and machinery and manpower for three newly sanctioned projects.

**श्री धर्मेन्द्र प्रधान (देवगढ़)** : अध्यक्ष महोदय, कोल इंडिया की सबसीडियरी महानदी कोल कम्पनी ने एक महीने पहले एक टैंडर निकाला है जिसमें उड़ीसा की तीन माइनिंग नई खोली जायेंगी। कडिहा, भुवनेश्वरी और कुल्दा - 23 मिलियन टन के प्रोडक्शन की क्षमता रखने वाली इन तीन खदानों का पहली बार निजीकरण होगा। भारत की अर्थव्यवस्था में कोल सैक्टर, सैन्ट्रल सैक्टर में हैं। इनमें प्राइवेटाइजेशन नहीं हुआ है। माइनिंग पर्पज से यह कंपनी सारे काम निजी तौर पर करती है। यू.पी.ए. की सरकार आम आदमी को रोजगार देने की बात कहती है। तीन खदानों में जहां पूरी मशीन और मैन-पॉवर बाहर से आएगी 5,000 लोग विस्थापित होंगे, उनका घर जाएगा।

मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि उनको नौकरी मिलनी चाहिए। उड़ीसा सरकार की रीहैबिलिटेशन पॉलिसी को अनदेखा करते हुए 5,000 परिवार के स्वार्थ को छोड़ते हुए पहली बार कोल इंडिया ने तीन खदानों में आउटसोर्सिंग ऑफ मैन-पॉवर करने जा रही है। यह कार्य बहुत घातक होगा। प्रदेश सरकार के अधिकारी और कोल फील्ड के अधिकारी से जब हम मिले और उनसे बात की तो उन्होंने कहा कि हम प्रधान मंत्री कार्यालय के निर्देश पर यह कर रहे हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री जी खुद उत्तर दें क्योंकि यह जो कार्रवाई हो रही है, यह लोक विरोधी है, यह उड़ीसा विरोधी है। इसमें विस्थापित जो लोग हैं, वे पुर्खों की जमीन में रह रहे थे। उनको बहुत अधिक हानि होने वाली है। यह बहुत महत्वपूर्ण विाय है। यह विाय मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने रखना चाहता हूं।

।